स्वतंत्रता के बाद शिक्षा

Dr. Mukesh Pancholi

जर्नादन राम रेड्डी समिति / कार्य योजना / केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट – 1992 –

नीति निर्धारण के साथ-साथ शिक्षा विभाग राज्यों से मिलकर शैक्षिक नियोजन का दायित्व भी निभाता है। छठी योजना तक शिक्षा को विकास प्रक्रिया के संसाधन की जगह सामाजिक सेवा मात्र समझा जाता था। लेकिन अब शिक्षा को मानव संसाधनों के द्वारा देश के सामाजिक व आर्थिक विकास का महत्त्वपूर्ण कारक माना जाने लगा है।

1986 की शिक्षा नीति देश के शैक्षिक विकास में मील का पत्थर है, 1990 में आचार्य राममूर्ति की अध्यक्ष में एक समिति ने इसकी समीक्षा की।

Dr. Mukesh Pancholi

इसकी सिफारिशें पर शिक्षा के केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड ने विचार किया और आंध्रप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री एन. जनार्दन की अध्यक्षता में 22 जनवरी, 1992 को समिति ने अपनी रिपोर्ट पेश की।

शिक्षा के केन्द्रीय सलाहकार समिति ने इस रिपोर्ट पर विचार कर कुछ परिवर्तनों का सुझाव दिया। परिणाम-स्वरूप 7 मई, 1992 को शिक्षा के केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड द्वारा अनुमोदित व संशोधित नीतियां कुछ सुझावों के साथ रखी गई। साथ ही संशोधित कार्य योजना (POA) तैयार किया व 17 अगस्त, 1992 को संशोधित कार्य नीति 1992 संसद के समक्ष रखी गई।

Dr. Mukesh Panchol

संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 का दस्तावेज, 1992–

भारत सरकार ने 1992 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 में जो संशोधन किए उनका विवरण निम्न प्रकार है –

भाग एक – भूमिका व **भाग दो –** शिक्षा का सार व उसकी भूमिका में कोई परिवर्तन नहीं किया गया।

भाग तीन – राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली में केवल एक संशोधन किया गया – (i) पूरे देश में +2 को स्कूली शिक्षा का अंग बनाया जाएगा।

Dr. Mukesh Pancholi

भाग चार – 'समानता के लिए शिक्षा' इसमें 4 संशोधन किए गए –

i. समग्र साक्षरता अभियान पर और अधिक बल दिया जाएगा।
ii. राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (NLM) को निर्धनता निवारण, राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण संरक्षण, छोटा परिवार, नारी समानता को प्रोत्साहन, प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण व प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या से जोड़ा जाएगा।
iii. रोजगार/स्वरोजगार केन्द्रित व आवश्यकता व रुचि पर आधारित व्यावसायिक व कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर बल दिया जाएगा।
iv. नव साक्षरों के लिए सतत् शिक्षा के व्यापक कार्यक्रम उपलब्ध कराए जाऐंगे।

Dr. Mukesh Pancholi

भाग पांच – विभिन्न स्तरों पर शिक्षा कप पुनर्गठन – शिशुओं की देखभाल व शिक्षा में सात संशोधन किए गए –

i. ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड के अंतर्गत प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में कम से कम तीन बड़े कमरें व तीन शिक्षकों की व्यवस्था की जाएगी।

ii. भविष्य में प्राथमिक स्कूलों में नियुक्त होने वाले शिक्षकों में 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी।

iii. ब्लैक बोर्ड योजना को उच्च प्राथमिक स्कूलों में भी लागू किया जाएगा।

iv. अनिवार्य व नि:शुल्क शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2000 तक एक राष्ट्रीय मिशन चलाया जाएगा।

Dr. Mukesh Pancholi

v. माध्यमिक शिक्षा में लड़कियों, अनुसूचित जाति व जनजातियों के बच्चों के नामांकन पर बल दिया जाएगा।

vi. मुक्त अधिगम प्रणाली को सुदृढ़ किया जाएगा।

vii. परीक्षा व मूल्यांकन में सुधार हेतु 'राष्ट्रीय मूल्यांकन संगठन' गठित किया जाएगा।

भाग छः - तकनीकी व प्रबंध शिक्षा के केवल एक संशोधन किया गया –

i. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (ACTE) को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए।

Dr. Mukesh Pancholi

भाग सात – शिक्षा व्यवस्था को कारगर बनाने में कोई संशोधन नहीं किया गया।

भाग आठ – शिक्षा की विषय-वस्तु व प्रक्रिया को नया मोड़ देने में दो संशोधन किए गए है –

i. प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा में जनसंख्या शिक्षा पर विशेष बल दिया गया।
ii. परीक्षा संस्थाओं के दिशा-निर्देशन हेतु परीक्षा सुधार प्रारूप तैयार किया जाएगा।

भाग नौ – शिक्षक से संबंधित कोई संशोधन नहीं किया गया।

Dr. Mukesh Pancholi

भाग दस – शिक्षा के प्रबंध में केवल एक संशोधन किया गया –

i. शिक्षा पर राष्ट्रीय आय का 6 प्रतिशत से अधिक व्यय किया जाएगा।

भाग ग्यारह – संशोधन व समीक्षा

शिक्षा की गुणवत्ता : डेलर्स कमीशन रिपोर्ट –

सन् 1996 में जेकब्स डेलर की अध्यक्षता वाली समिति 'डेलर्स समिति' ने रिपोर्ट पेश की। जेकब्स डेलर ने '21वीं शताब्दी में शिक्षा' विषय पर बने अंतर्राष्ट्रीय आयोग की अध्यक्षता की।

Dr. Mukesh Pancholi

इस रिपोर्ट के माध्यम से 21वीं शताब्दी में शिक्षा की स्थिति व तात्कालिक व ज्वलंत समस्याओं को उजागर किया। यह रिपोर्ट "Learning The Treasure Within" के नाम से जानी जाती है। (UGC NET Dec. 2015 में पूछा गया प्रश्न)

कमीशन ने रिपोर्ट में प्रत्येक राष्ट्र को शिक्षा पर GNP का 6 प्रतिशत खर्च करने पर जो दिया। केवल प्रारंभिक शिक्षा पर ही नहीं बल्कि उच्च शिक्षा पर भी केन्द्र व राज्य सरकारों को मिल-जुलकर काम करना चाहिए।

Dr. Mukesh Pancholi

इस रिपोर्ट के अनुसार विज्ञान केवल किताबों व कक्षाओं तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि प्रत्येक के दैनिक जीवन में शामिल होना चाहिए। डेलर्स कमीशन रिपोर्ट शिक्षा के आर्थिक, सांस्कृतिक व तकनीकी परिवर्तनों के विषय में भी बताती है।

शिक्षा के चार स्तंभ – 1996 की डेलर्स रिपोर्ट की सबसे प्रभावशाली अवधारणाओं में से एक सीखने के चार स्तंभों में से –

1. **जानने के लिए सीखना (Learning to Know) –** विषयों की एक छोटी संख्या पर गहराई से काम करने के अवसर के साथ एक व्यापक सामान्य ज्ञान।

Dr. Mukesh Panchori

2. करके सीखना (Learning to do) – न केवल व्यावसायिक कौशल हासिल करना, बल्कि कई स्थितियों से निबटने व टीम में काम करने की क्षमता भी।
3. होने के लिए सीखना (Learning to be) – किसी के व्यक्तित्व को विकसित करना व बढ़ती स्वायत्तता, निर्णय व व्यक्तिगत जिम्मेदारी के साथ कार्य करने में सक्षम होना।
4. एक साथ रहना सीखना (Learn to Live Together) – अन्य लोगों की समझ विकसित करना व अन्य लोगों की प्रशंसा करना।

शिक्षा के 4 स्तंभों में परिलक्षित शिक्षा के एकीकृत दृष्टिकोण के विचार का दुनिया भर के देशों में नीतिगत बहस, शिक्षक-प्रशिक्षण व पाठ्यक्रम विकास पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता हे।

Dr. Mukesh Pancholi

स्वतंत्रता के बाद शिक्षा
महत्त्वपूर्ण प्रश्न

Dr. Mukesh Pancholi

1. CABE (Central Advisory Board of Education) से संबंधित रिपोर्ट है -

(A) शैक्षिक नीति संशोधन, 1992

(B) संशोधित कार्य योजना, 1992

(C) जनार्दन राम रेड्डी समिति रिपोर्ट, 1992

(D) उपरोक्त सभी

Dr. Mukesh Pancholi

2. आचार्य राममूर्ति समिति की सिफारिशों को मूर्त्त रूप देने के लिए गठित समिति है -

(A) डेलर्स कमीशन

(B) यशपाल समिति

(C) जे. आर. रेड्डी समिति

(D) इनमें से कोई नहीं

Dr. Mukesh Pancholi

3. जर्नादन रेड्डी की अध्यक्षता में गठित समिति से संबंधित गलत कथन को छांटिए -

(A) इन्होंने शिक्षा नीति के भाग 1 व दो में कोई परिवर्तन नहीं किया।

(B) भाग 3 में पूरे देश की +2 शिक्षा प्रणाली लागू करने को कहा गया।

(C) इन्होंने शिक्षक से संबंधित संशोधनों पर बल दिया।

(D) शिक्षा पर राष्ट्रीय आय का 6 प्रतिशत से अधिक व्यय करने को कहा गया।

Dr. Mukesh Pancholi

4. कार्य योजना, 1992 से संबंधित तथ्यों को छांटिए -

I. इस कार्य योजना में प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा में जनसंख्या शिक्षा पर विशेष बल दिया गया।

II. नव साक्षरों के लिए सतत् शिक्षा के व्यापक कार्यक्रम उपलब्ध करवाने का प्रस्ताव दिया।

III. AICTE को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए।

IV. प्राथमिक स्कूलों में नियुक्त होने वाले शिक्षकों में 75 प्रतिशत महिलाओं का होना अनिवार्य।

V. समग्र साक्षरता अभियान की जगह संपूर्ण साक्षरता मिशन आरंभ किया।

(A) I, III, IV (B) I, II, IV, V

(C) I, II, III (D) II, IV, V

Dr. Mukesh Pancholi

5. जानने के लिए सीखना, करके सीखना जैसे शिक्षा के स्तंभ संबंधित है -

(A) यशपाल समिति

(B) जर्नादन राम रेड्डी समिति

(C) डेलर्स कमीशन रिपोर्ट

(D) एम.बी. बुच समिति

Dr. Mukesh Pancholi

6. “Learning with the Treasure within” रिपोर्ट संबंधित है -

(A) गणनाम समिति

(B) के. एल. माली समिति

(C) एम. बी. बुच समिति

(D) डेलर्स कमीशन

Dr. Mukesh Pancholi

7. डेलर्स समिति से संबंधित कथनों को छांटिए –

I. व्यावसायिक कौशल को हासिल करना, इस समिति का एक स्तंभ है।

II. व्यक्तित्व के विकास व स्वायत्तता प्रदान करना।

III. अन्य लोगों के साथ रहना, उनकी प्रशंसा करना।

IV. केवल विषय-वस्तु को सैद्धांतिक रूप से सीखना।

(A) I, II, III

(B) II, III, IV

(C) III, IV

(D) उपरोक्त सभी

Dr. Mukesh Pancholi

8. (S) → आज की शिक्षा केवल सैद्धांतिक होती जा रही है, जिससे मानव जीवन में मूल्यों में कमी हो रही है।
(R) → जैकब डेलर्स एक रिपोर्ट प्रस्तुत करते है, जो कि 21वीं शताब्दी की ज्वलंत व तात्कालिक शिक्षा संबंधी समस्याओं को उजागर करती है।

(A) (S) एवं (R) दोनों सही, (R), (S) की व्याख्या करता है।

(B) (S) एवं (R) दोनों सही, (R), (S) की सही व्याख्या नहीं करता।

(C) (S) एवं (R) पूर्णतया असंबंधित है।

(D) (S) एवं (R) दोनों गलत है।

Dr. Mukesh Panchal

9. डेलर्स रिपोर्ट, 1996 में शिक्षा के स्तंभ बताए गए है –

i. करके सीखना
ii. जानने के लिए सीखना
iii. होने के लिए सीखना
iv. बनाने के लिए सीखना

(A) केवल i, ii
(B) ii, iii, iv
(C) उपरोक्त सभी
(D) i, ii, iii

Dr. Mukesh Pancholi

10. जर्नादन रेड्डी से संबंधित गलत कथन को छांटिए –

I. ब्लैक बोर्ड योजना को उच्च प्राथमिक में भी लागू किया जाए।

II. अनिवार्य व नि:शुल्क शिक्षा के लिए वर्ष 2005 तक एक राष्ट्रीय मिशन चलाया जाए।

III. 'राष्ट्रीय मूल्यांकन संगठन' का गठन किया जाए।

IV. शिक्षा व्यवस्था को कारगर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाए ताकि प्रबंधन लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक हों।

(A) केवल I, II

(B) III, IV

(C) II, IV

(D) II, III, IV

Dr. Mukesh Panchol